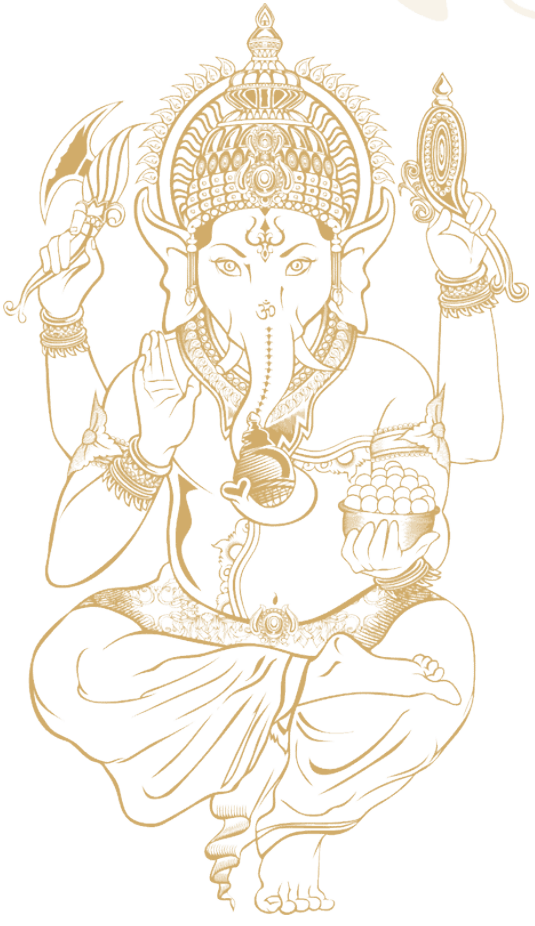

Namrata Subhash Gaikwad

04 Sep 1981

02:15 AM

Wai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121599703

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**3-04/09/1981**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**02:15:00 घंटे**
इष्ट	49:46:42 घटी
स्थान	**Wai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	17:57:00 उत्तर
रेखांश	73:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:40:48 घंटे
वेलान्तर	00:00:35 घंटे
साम्पातिक काल	00:32:23 घंटे
सूर्योदय	06:20:19 घंटे
सूर्यास्त	18:46:33 घंटे
दिनमान	12:26:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:44:39 सिंह
लग्न के अंश	21:06:34 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ऐन्द्र
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तनुजा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	21:06:34	322:36:40	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	---
सूर्य			सिंह	17:44:39	00:58:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			तुला	18:20:08	11:58:13	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
मंगल			कर्क	07:38:14	00:38:05	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	नीच राशि
बुध			कन्या	07:54:14	01:30:51	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु			कन्या	18:44:18	00:11:58	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	25:49:41	01:10:46	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	नीच राशि
शनि			कन्या	15:28:00	00:06:49	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	07:22:34	00:04:26	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	07:22:34	00:04:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	02:57:02	00:01:33	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
नेप			वृश्चि	28:35:18	00:00:01	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो			कन्या	29:08:06	00:01:55	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
दशम भाव			मीन	15:18:38	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

के.पी. अयनांश : 23:29:54

लग्न-चलित

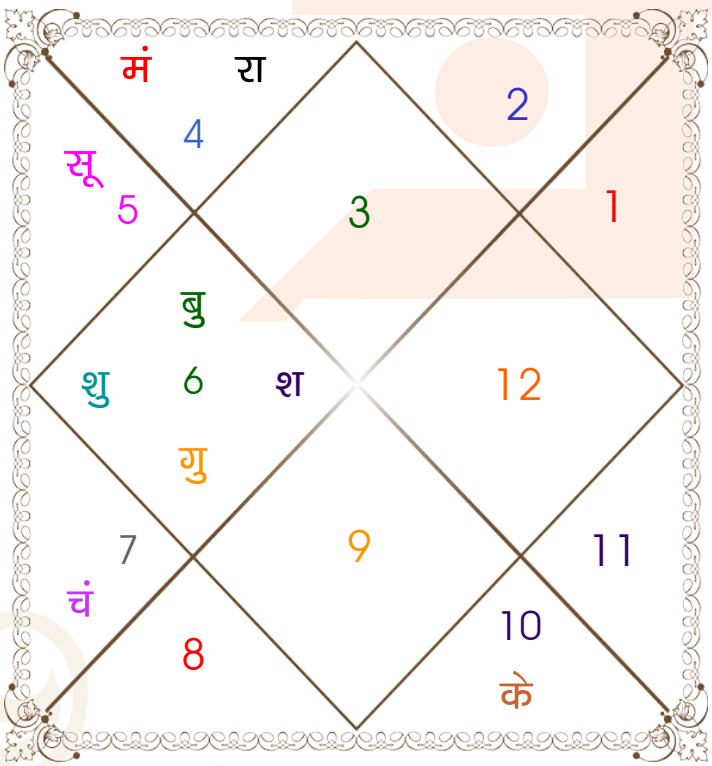

चन्द्र कुंडली

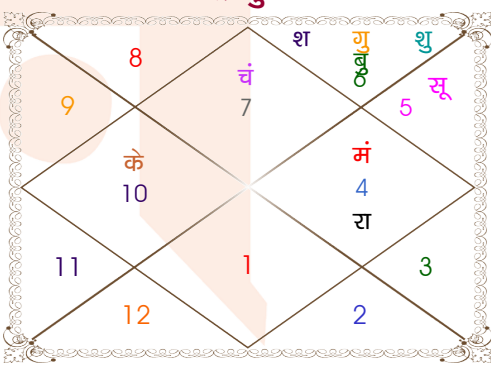

नवमांश कुंडली

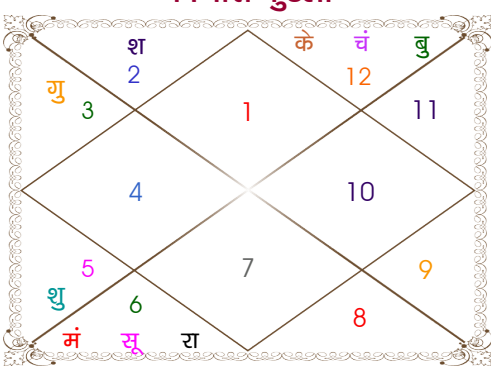

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 2 मास 29 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/09/1981		03/12/1983		03/12/1999		03/12/2018		03/12/2035	
03/12/1983		03/12/1999		03/12/2018		03/12/2035		03/12/2042	
	00/00/0000	गुरु	21/01/1986	शनि	06/12/2002	बुध	01/05/2021	केतु	30/04/2036
	00/00/0000	शनि	03/08/1988	बुध	15/08/2005	केतु	28/04/2022	शुक्र	01/07/2037
	00/00/0000	बुध	09/11/1990	केतु	24/09/2006	शुक्र	26/02/2025	सूर्य	05/11/2037
	00/00/0000	केतु	16/10/1991	शुक्र	24/11/2009	सूर्य	02/01/2026	चंद्र	07/06/2038
	00/00/0000	शुक्र	16/06/1994	सूर्य	06/11/2010	चंद्र	04/06/2027	मंगल	03/11/2038
	00/00/0000	सूर्य	04/04/1995	चंद्र	06/06/2012	मंगल	31/05/2028	राहु	21/11/2039
	04/09/1981	चंद्र	03/08/1996	मंगल	16/07/2013	राहु	18/12/2030	गुरु	27/10/2040
चंद्र	15/11/1982	मंगल	10/07/1997	राहु	22/05/2016	गुरु	25/03/2033	शनि	06/12/2041
मंगल	03/12/1983	राहु	03/12/1999	गुरु	03/12/2018	शनि	03/12/2035	बुध	03/12/2042

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
03/12/2042		03/12/2062		03/12/2068		03/12/2078		03/12/2085	
03/12/2062		03/12/2068		03/12/2078		03/12/2085		00/00/0000	
शुक्र	04/04/2046	सूर्य	23/03/2063	चंद्र	03/10/2069	मंगल	01/05/2079	राहु	15/08/2088
सूर्य	04/04/2047	चंद्र	21/09/2063	मंगल	04/05/2070	राहु	19/05/2080	गुरु	09/01/2091
चंद्र	03/12/2048	मंगल	27/01/2064	राहु	03/11/2071	गुरु	25/04/2081	शनि	15/11/2093
मंगल	02/02/2050	राहु	21/12/2064	गुरु	04/03/2073	शनि	03/06/2082	बुध	03/06/2096
राहु	01/02/2053	गुरु	09/10/2065	शनि	03/10/2074	बुध	01/06/2083	केतु	21/06/2097
गुरु	03/10/2055	शनि	21/09/2066	बुध	04/03/2076	केतु	28/10/2083	शुक्र	22/06/2100
शनि	03/12/2058	बुध	29/07/2067	केतु	03/10/2076	शुक्र	27/12/2084	सूर्य	17/05/2101
बुध	03/10/2061	केतु	03/12/2067	शुक्र	03/06/2078	सूर्य	04/05/2085	चंद्र	05/09/2101
केतु	03/12/2062	शुक्र	03/12/2068	सूर्य	03/12/2078	चंद्र	03/12/2085		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 2 वर्ष 3 मा 4 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहती हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगी। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगी तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगी तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि की प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहती हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकती हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहती हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकती हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगी। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाती हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करती हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपने पति एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगी। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन साथी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य पुरुष के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाली तथा विचलित हो जाने वाली महिला हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकती हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगी। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकती हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते।

आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।